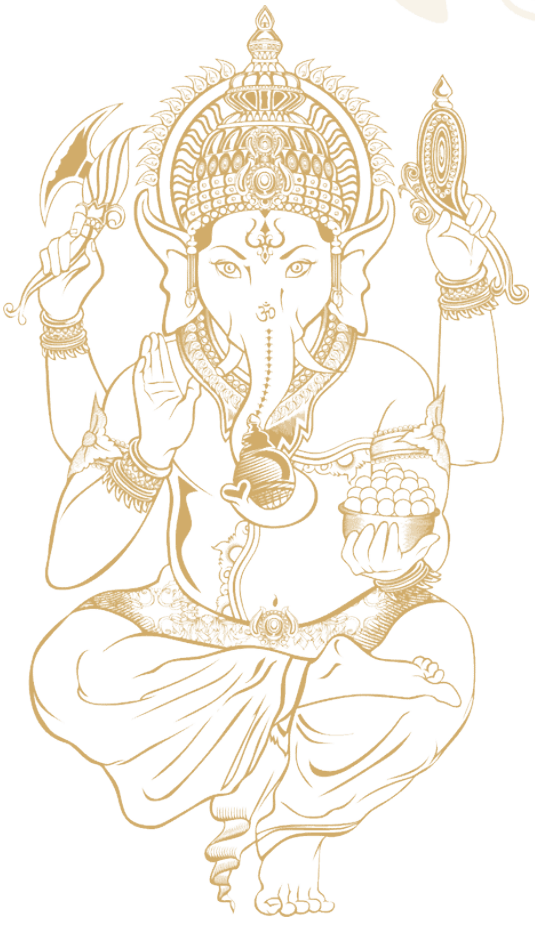

Mr.anmol

Ms.anchal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119834801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119834801 Date: 19/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/11/1999	जन्म तिथि	25-26/10/2025
शनि-रविवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 04:47:00	जन्म समय	02:45:00 घंटे
घटी 54:51:38	जन्म समय(घटी)	50:24:18 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:20	सूर्योदय	06:35:16
17:27:26	सूर्यास्त	17:42:04
23:51:04	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06

तुला	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मकर	राशि	वृश्चिक
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	3
शूल	योग	शोभन
कौलव	करण	विष्टि
भो-भोजराज	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
नकुल	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 3मा 19दि		00:19:46	तुला	लग्न	सिंह	18:13:47	बुध 5वर्ष 0मा 29दि	
राहु		27:16:43	तुला	सूर्य	तुला	08:29:50	बुध	
04/03/2021		00:26:10	मक	चंद्र	वृश्चि	26:00:57	26/10/2025	
04/03/2039		26:47:03	धनु	मंगल	तुला	28:54:38	24/11/2030	
राहु	15/11/2023	01:49:48	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	01:52:49		00/00/0000
गुरु	10/04/2026	03:22:17	मेष व	गुरु	कर्क	00:28:27		00/00/0000
शनि	14/02/2029	11:22:22	कन्या	शुक्र	कन्या	20:42:39		00/00/0000
बुध	03/09/2031	19:15:15	मेष व	शनि व	मीन	01:52:54		00/00/0000
केतु	21/09/2032	12:51:26	कर्क व	राहु व	कुंभ	23:00:49		00/00/0000
शुक्र	21/09/2035	12:51:26	मक व	केतु व	सिंह	23:00:49		26/10/2025
सूर्य	15/08/2036	19:12:43	मक	हर्ष व	वृष	06:17:04	राहु	09/12/2025
चन्द्र	14/02/2038	08:00:10	मक	नेप व	मीन	05:42:09	गुरु	16/03/2028
मंगल	04/03/2039	15:45:35	वृश्चि	प्लूटो	मक	07:10:53	शनि	24/11/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:04 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:06

लग्न-चलित

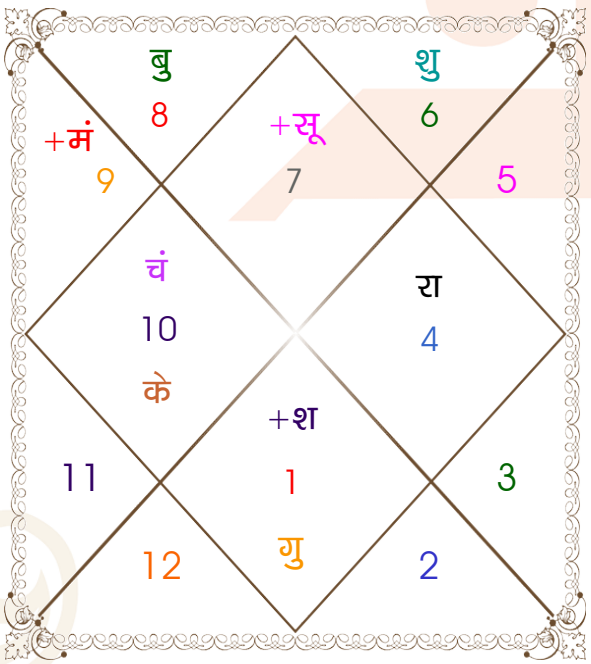

लग्न-चलित

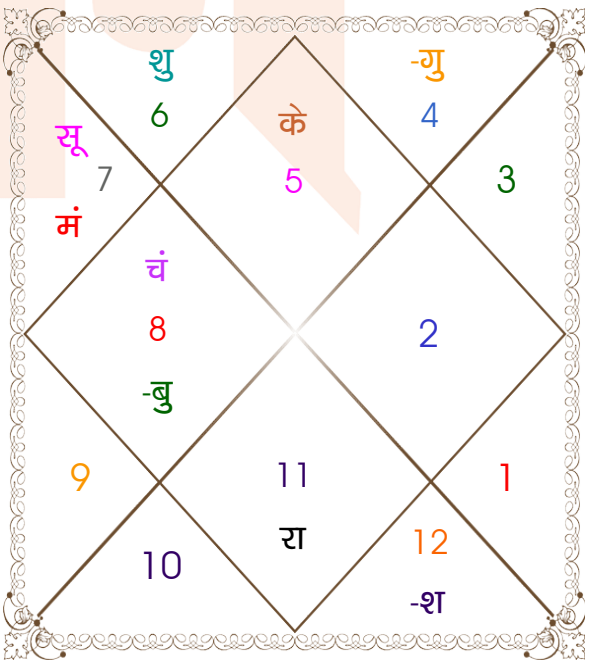

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

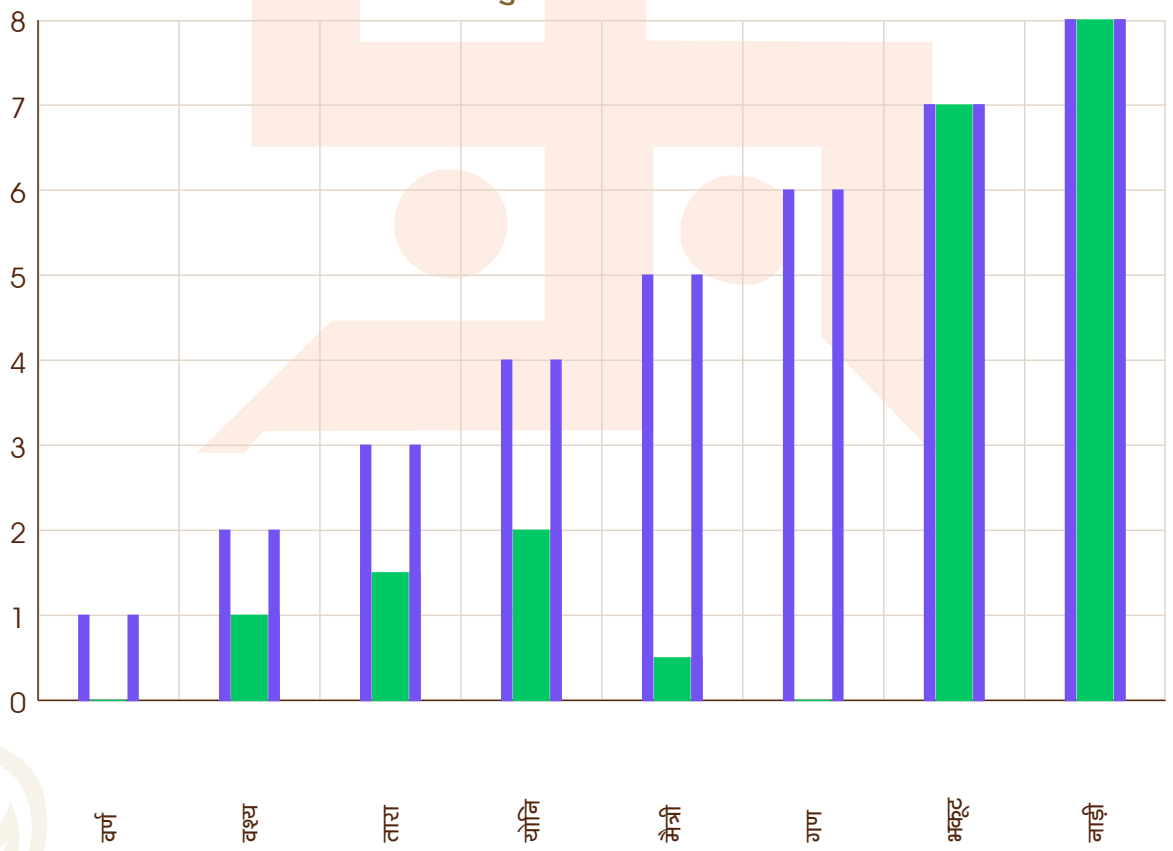

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.anmol का वर्ग मूषक है तथा Ms.anchal का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.anmol और Ms.anchal का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.anmol मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms.anchal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr.anmol तथा Ms.anchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.anmol का वर्ण वैश्य है तथा Ms.anchal का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.anchal का वर्ण Mr.anmol के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.anchal अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.anchal को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Mr.anmol का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.anchal का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए Mr.anmol चतुष्पद एवं Ms.anchal कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.anmol की तारा क्षेम तथा Ms.anchal की तारा वध है। Ms.anchal की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.anmol एवं Ms.anchal दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.anchal अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.anmol की योनि नकुल है तथा Ms.anchal की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.anmol का राशि स्वामी Ms.anchal के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.anchal का राशि स्वामी Mr.anmol के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.anmol का गण मनुष्य तथा Ms.anchal का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.anchal का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.anmol एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.anmol से Ms.anchal की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.anchal से Mr.anmol की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.anmol परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.anchal हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त

रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.anmol की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.anchal की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.anmol की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.anchal की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.anmol की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Ms.anchal की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानता विद्यमान रहेगी तथा आपसी संबंध भी मधुर होंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा ।

Mr.anmol की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.anchal की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। सुखद वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रहस्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देकर आपस में कटुता तथा तनाव उत्पन करेंगे। साथ ही एक दूसरे को सुख दुख में विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

Mr.anmol और Ms.anchal की राशियां परस्पर एकादश तथा तृतीय भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही मन में एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देने में को तत्पर रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में पूर्णतया अनुकूलता आएगी तथा जीवन में सुखद क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.anmol का वश्य जलचर तथा Ms.anchal का वश्य कीट है। जलचर तथा कीट में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्कताएं अनुकूल रहेंगी। फलतः कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे ।

Mr.anmol का वर्ण वैश्य तथा Ms.anchal का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Mr.anmol की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Ms.anchal का ध्यान शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यकलपों में रहेगा।

धन

Mr.anmol और Ms.anchal की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Mr.anmol एवं Ms.anchal की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.anmol और Ms.anchal की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Mr.anmol को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Mr.anmol और Ms.anchal धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr.anmol की नाड़ी अन्त्य तथा Ms.anchal की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr.anmol और Ms.anchal अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.anmol और Ms.anchal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.anmol और Ms.anchal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.anchal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.anchal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.anchal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.anmol और Ms.anchal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.anmol और Ms.anchal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.anchal के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms.anchal भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms.anchal भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms.anchal को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.anmol के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.anmol के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.anmol के प्रति सामान्य ही रहेगा।